आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक सम्राट

बर्ष :13 अंक :344 पृष्ठ -4 दिनांक 18 दिसम्बर 2024 दिन बुधवार

वाराणसी 40 वर्ष से बंद मंदिर को फिर से खोलने की कवायद

मुस्लिम परिवारों ने खरीद ली थी जमीन

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में करीब चार दशकों से बंद पड़े एक मंदिर को फिर से खोलने के लिए सोमवार को कवायद शुरू कर दी गई. सनातन रक्षा दल की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय शर्मा ने मदनपुरा इलाके में स्थित इस मंदिर को खोलने के लिए एकत्र हुए समूह का नेतृत्व किया.शर्मा ने कहा कि मंदिर को फिर से खोलने का प्रयास किसी विवाद या संघर्ष के कारण नहीं है. शर्मा ने मंदिर की स्थिति के बारे में कहा, "मंदिर, मुस्लिम बहुल क्षेत्र में स्थित है. यह वर्षों से उपेक्षित रहा है. इसका परिसर गंदगी और मलबे से भरा हुआ है." उन्होंने दावा किया कि कभी हिंदुओं के स्वामित्व में रही आसपास की जमीन मुस्लिम परिवारों ने खरीद ली थी और बाद में समय के साथ इस मंदिर को यूंही छोड़ दिया गया था.हम परिसर की सफाई करेंगे– अजय शर्मा शर्मा ने जोर देकर कहा कि मंदिर को फिर से खोलने की पहल शांतिपूर्ण तरीके से आगे बढ़ रही है. उन्होंने कहा, "मंदिर को पुनः खोलने को लेकर कोई विरोध या विवाद नहीं है. पुलिस ने अपना सहयोग दिया है और महापौर से भी चर्चा हुई है. जल्द ही हम परिसर की सफाई करेंगे और पारंपरिक अनुष्ठान व पूजा फिर से शुरू करेंगे." स्थानीय अधिकारियों की देखरेख में मलबे को हटाने और मंदिर को फिर से खोलने के प्रयास जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है. दशाश्वमेध के थाना प्रभारी प्रमोद कुमार ने बताया कि मदनपुरा इलाके में एक मंदिर काफी समय से

बंद था. उन्होंने बताया, "कुछ लोग इसे खोलने के लिए कह रहे थे. पास में मुस्लिम इलाका है. हिंदुओं ने यहां आना बंद कर दिया था तब से यह बंद है. वहां कोई विवाद नहीं है." कुमार ने बताया कि आसपास रहने वाले लोगों का कहना है कि उन्होंने बंगालियों से जमीन खरीदी है और यहां रह रहे हैं तथा उन्हें मंदिर से कोई आपत्ति नहीं है.

BJP वाले राज्यसभा को भी भंग करने की मांग करेंगे भंग करके तुरंत चुनाव कराइए- अखिलेश यादव

संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान मंगलवार को लोकसभा में वन नेशन वन इलेक्शन बिल पेश किया जाएगा. इस बिल को पेश किए जाने के पहले समा. जवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए लिखा, लोकतंत्र के सभी सच्चे पक्षधरों से अपीलश. इसके बाद उन्होंने लिखा, श'एक देश–एक चुनाव' के संदर्भ में जन–जागरण के लिए आपसे कुछ जरूरी बातें साझा कर रहा हूँ. इन सब बिंदुओं को ध्यान से पढ़िएगा क्योंकि इनका बहुत गहरा संबंध हमारे देश, प्रदेश, समाज, परिवार और हर एक व्यक्ति के वर्तमान और भविष्य से है. अखिलेश यादव ने लिखा, श्लोकतांत्रिक संदर्भों में 'एक' शब्द ही अलोकतांत्रिक है. लोकतंत्र बहुलता का पक्षधर होता है. 'एक' की भावना में दूसरे के लिए स्थान नहीं होता. जिससे सामाजिक सहनशीलता का हनन होता है. व्यक्तिगत स्तर पर 'एक' का भाव, अहंकार को जन्म देता है और सत्ता को तानाशाही बना देता है.श उन्होंने आगे लिखा, श'एक देश–एक चुनाव' का फैसला सच्चे लो. कतंत्र के लिए घातक साबित होगा. ये देश के संघीय ढांचे पर भी एक बड़ी चोट करेगा. इससे क्षेत्रीय मुद्दों का महत्व खत्म हो जाएगा और जनता उन बड़े दिखावटी मुद्दों के मायाजाल में फंसकर रह जाएगी, जिन तक उनकी पहुंच ही नहीं है.व्यवस्था को ही पलटने का षड्यंत्र– सपा सपा प्रमुख ने आगे लिखा, श्हमारे देश में जब राज्य बनाए गये तो ये माना गया कि एक तरह की भौगो. लिक, भाषाई और उप सांस्कृतिक पृष्ठ भूमि के क्षेत्रों को 'राज्य' की एक इकाई के रूप में चिन्हित किया जाए. इसके पीछे की सोच ये थी कि ऐसे क्षेत्रों की समस्याएं और अपेक्षाएं एक सी होती हैं, इसीलिए इन्हें एक मानकरनीचे–से–ऊपर की ओर ग्राम, विधानसभा, लोकसभा और राज्यसभा के स्तर तक जन प्रतिनिधि बनाएं जाएं. इसके मूल में स्थानीय से लेकर क्षेत्रीय सरोकार सबसे ऊपर थे. 'एक देश–एक चुनाव' का विचार इस लोकतांत्रिक व्यवस्था को ही पलटने का षड्यंत्र है.उन्होंने आगे कहा, श्एक तरह से ये संविधान को खत्म करने का एक और षड्यंत्र भी है. इससे राज्यों का महत्व भी घटेगा और राज्यसभा का भी. कल को ये भाजपा वाले राज्यसभा को भी भंग करने की माँग करेंगे और अपनी तानाशाही लाने के लिए नया नारा देंगे 'एक देश–एक सभा'. जबकि सच्चाई ये है कि हमारे यहाँ राज्य को मूल मानते हुए ही 'राज्यसभा' की निरंतरता का सांविधानिक प्रावधान है. लोकसभा तो पांच वर्ष तक की समयावधि के लिए होती है.पूर्व सीएम ने लिखा, श्ऐसा होने से लोकतंत्र की जगह एकतंत्रीय व्यवस्था जन्म लेगी, जिससे देश तानाशाही की ओर जाएगा. दिखावटी चुनाव केवल सत्ता पाने का जरिया बनकर रह जाएगा. उन्होंने कहा,अगर भाजपाइयों को लगता है कि अच्छी बात है तो फिर देर किस बात की, केंद्र व सभी राज्यों की सरकारें भंग करके तुरंत चुनाव कराइए. दरअसल ये भी 'नारी शक्ति वंदन' की तरह एक जुमला ही है.देश की एकता को खंडित कर रहे– अखिलेश यादव कन्नौज सांसद ने लिखा, श्ये जुमला भाजपा की दो विरोधाभासी बातों से बना है. जिसमें कथनी–करनी का भेद है. भाजपावाले एक तरफ 'एक देश' की बात तो करते हैं, पर देश की एकता को खंडित कर रहे हैं, बिना एकता के 'एक देश' कहना व्यर्थ हैय दूसरी तरफ ये जब 'एक चुनाव' की बात करते हैं तो उसमें भी विरोधाभास है, दरअसल ये 'एक को चुनने' की बात करते हैं. जो लोकतांत्रिक परंपरा के खिलाफ है.अखिलेश यादव ने आगे लिखा, श्क्या 'एक देश, एक चुनाव' का मुद्दा महंगाई, बेरोजगारी, बेकारी, बीमारी से बड़ा मुद्दा है जो भाजपाई इसे उठा रहे हैं. दरअसल भाजपा इन बड़े मुद्दों से ध्यान भटका रही है. जनता सब समझ रही है. उन्होंने लिखा, श्सच तो ये है कि BJP को सोते–जागते सिर्फ चुनाव दिखाई देता है, और ये सोचते हैं कि किस तिकड़म से परिणाम इनके पक्ष में दिखाई दे. ये हर बार जुगाड़ से चुनाव जीतते हैं. इसीलिए चाहते हैं कि एक साथ जुगाड़ करें और सत्ता में बने रहें सपा प्रमुख ने अपने पोस्ट में लिखा, अगर 'वन नेशन, वन नेशन' सिद्धांत के रूप में है तो कृपया स्पष्ट किया जाए कि प्रधान से लेकर प्रधानमंत्री तक के सभी ग्राम, टाउन, नगर निकायों के चुनाव भी साथ ही होंगे या फिर त्योहारों और मौसम के बहाने सरकार की हार–जीत की व्यवस्था बनाने के लिए अपनी सुविधानुसार? उन्होंने कहा, भा. जपा जब बीच में किसी राज्य की चयनित सरकार गिरवाएगी तो क्या पूरे देश के चुनाव फिर से होंगे?उन्होंने कहा, शकिसी राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू होने पर क्या जनता की चुनी सरकार को वापस आने के लिए अगले आम चुनावों तक का इंतजार करना पड़ेगा या फिर पूरे देश में फिर से चुनाव होगा?श आगे कहा, श'एक देश–एक चुनाव' को लागू करने के लिए जो सांविधानिक संशोधन करने होंगे उनकी कोई समय सीमा निर्धारित की गयी है या ये भी महिला आरक्षण की तरह भविष्य के ठंडे बस्ते में डालने के लिए उछाला गया एक जुमला भर है।अपने पोस्ट में पूर्व सीएम ने लिखा, श्कहीं 'एक देश–एक चुनाव' की ये योजना चुनावों का निजीकरण करके परिणाम बदलने की साजिश तो नहीं है? ऐसी आशंका इसलिए जन्म ले रही है क्योंकि कल को सरकार ये कहेगी कि इतने बड़े स्तर पर चुनाव कराने के लिए उसके पास मानवीय व अन्य जरूरी संसाधन ही नहीं हैं, इसीलिए हम चुनाव कराने का काम भी (अपने लोगों को) ठेके पर दे रहे हैं.

मेरठ सेंट्रल मार्केट में डेढ़ हजार अवैध निर्माणों पर चलेगा बुलडोजर! मचा हड़कंप, 10 साल बाद आया फैसला,

उत्तर प्रदेश स्थित मेरठ की दुकानों पर बुलडोजर चल सकता है. दरसअल, मेरठ सेंट्रल मार्केट में करीब डेढ़ हजार अवैध निर्माणों पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया है. जानकारी के अनुसार अवैध रूप से रेजिडेंशियल प्लॉट में कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स और दुकानें बना दिए गए. हाईकोर्ट के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने मुहर लगाई.यह मामला एक दशक से चल रहा था. आरोप है कि आवास विकास परिषद के अधिकारियों की मिलीभगत से अवैध कॉम्प्लेक्स और दुका बनाए गए थे. फैसले के मुताबिक आवास विकास विभाग के लापरवाह अफसरों पर भी कार्रवाई होगी. सुप्रीम कोर्ट मंगलवार को मामले की सुनवाई थी.आवास विकास के अफसरों ने सुप्रीम कोर्ट में भू उपयोग की स्टेटस रिपोर्ट दाखिल की थी. सुप्रीम कोर्ट के फैसले से सेंट्रल मार्केट के व्यापारियों में हड़कंप मच गया है.

यूपी विधानसभा सत्र मंत्री सुरेश खन्ना ने पेश किया अनुपूरक बजट, 790 करोड़ के नए प्रस्ताव

उत्तर प्रदेश विधानसभा में सत्र के दूसरे दिन वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने अनुपूरक बजट पेश किया है. इस अनुपूरक बजट का आकार 17865 करोड़ का है. इसमें करीब 790 करोड़ नए प्रस्ताव भी शामिल हैं. यह योगी सरकार के दूसरे कार्यकाल का दूसरा अनुपूरक बजट है. योगी सरकार के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि योगी सरकार ने हर स्तर पर वित्तीय अनुशासन मेंटेन किया है. जहां जैसी जरूरत होती उसके अनुसार खर्च होता है. विकास एजेंडा हमारे सामने है. बड़े स्तर पर विकास का पहिया घूम रहा है. अनुपूरक बजट तो आना ही है. कुंभ तो शामिल ही है. कुंभ दुनिया का सबसे बड़ा इवेंट है. युनेस्को ने इसे मानवता की मूर्ति धरोहर बताया है. बजट पूरे विकास पर रहेगाकिसने क्या कहा वहीं अनुपूरक बजट पेश होने से पहले उपमुख्यमंत्रीकेशव प्रसाद ने कहा कि विपक्ष का काम विरोध करना है. सरकार का विकास करना है. विकास का काम विरोध की वजह से रुकेगा नहीं. आज अनुपूरक बजट आ रहा है इसके बाद विकास की गति और बढ़ेगी. मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि विकास के लिए धन की जरूरत है. विभिन्न विभागों में जो धन की आवश्यकता है उसके लिए सभी विभागों के लिए अनुपूरक बजट आ रहा है. प्रदेश की जनता के सामने विकास को लेकर जो सरकार ने वादा किया है उस मुद्दे पर ये बजट है.कानून–व्यवस्था और मजबूत किया– डिप्टी सीएमउपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा, ष्अनुपूरक बजट के माध्यम से हम सदन में आएंगे. ये बजट प्रदेश के आधारभूत संरचना को मजबूती देगा. महाकुंभ को और बेहतर बनाने वाला होगा. कानून–व्यवस्था और मजबूत किया जाएगा. हम हर स्थिति से प्रदेश को विकास के मोर्चे पर लाने के लिए काम कर रहे हैं. बता दें कि यूपी विधानसभा के शीतकालीन सत्र की शुरूआत सोमवार को हुई थी. यह सत्र शुक्रवार तक चलेगा.

हसनपुर में घनी आबादी के बीच मोबाइल टावर लगाए जाने पर मोहल्ले के लोगों ने किया प्रदर्शन

हसनपुर में घनी आबादी के बीच मोबाइल का टावर लगाए जाने को लेकर मोहल्ले के लोगों ने प्रदर्शन करते हुए कड़ा विरोध किया है। एसडीएम से भी इस मामले मेंकार्रवाई करने की मांग की है।हसनपुर नगर के मोहल्ला होली वाला में घनी आबादी के बीच एक मोबाइल कंपनी का टावर लगाने को लेकर एक प्लांट की भूमि को चिन्हित किया गया था। कंपनी के अधिकारियों ने चूना आदि डालकर टावर के लिए गड्ढा खोदना भी शुरू कर दिया था। जब मोहल्ले के लोगों को पता लगा तो उन्होंने गड्ढा खोदने से कर्मचारियों को रोक दिया। इस दौरान जमकर हंगामा हो हुआ।मो. हल्ला वासियों ने बताया कि जहां पर टावर लगाया जा रहा है उसके आसपास हार्ट संबंधित मरीज हैं। मोबाइल टावर लगने से उनके स्वास्थ्य पर बुरा असर होगा। उन्होंने कहा कि यह टावर मानक

के अनुसार नहीं है। इस टावर को घनी आबादी के बीच लगाए जाने से रोका जाए।मोहल्ला वासियों ने एसडीएम से भी इस मामले की शिकायत करते हुए जांच कर टावर को लगने से रुकवाए जाने की मांग की है। प्रदर्शन करने वालों में हाकिम सिंह, कपिल कुमार एडवोकेट, राकेश राणा, चमन सैनी, अभितेष सैनी, राकेश शर्मा, अर्जुन यादव, सरोज वाला, आदेश शर्मा, राजेंद्र कुमार, विशाल, नरेश कुमार आदि मौजूद थे।

संवावदाता आसिफ सिद्धिकी

योगी सरकार ने जारी किया सरकारी छुट्टियों का कैलेंडर, साल 2025 में इतने दिन रहेगा अवकाश

उत्तर प्रदेश की सरकार ने साल 2025 में पड़ने वाली सार्वजनिक छुट्टियों की घोषणा कर दी है. सरकार द्वारा जारी कैलेंडर के मुताबिक इस साल ज्यादातर छुट्टियां वर्किंग डे पर रहने वाली है. इनमें होली, ईद, रामनवमी से लेकर दिवाली, जन्माष्टमी, क्रिसमस डे समेत तमाम छुट्टियों का जिक्र हैं. इस बार सालभर में कुल 24 सार्वजनिक और 31 निर्बन्धित छुट्टियां रहेंगी. सरकार द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि अगर कोई पर्व, त्योहार, राष्ट्रीय पर्व या महापुरुषों की जन्मतिथि एक ही दिन पड़ जाती है तो ऐसी स्थिति में एक ही दिन छुट्टी होगी. उसके एवज में दो दिन का अवकाश घोषित नहीं होगा. यूपी सरकार द्वारा जारी छुट्टियों की लिस्ट में 14 जनवरी मंगलवार को हजरत अली के जन्मदिवस के अवसर पर छुट्टी की घोषणा की गई है. जबकि 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस पर छुट्टी रहेगी. यूपी सरकार ने जारी की छुट्टियों की लिस्ट लिस्ट के मुताबिक 26 फरवरी को महाशिवरात्रि, 13 मार्च को होलिका दहन, 14 मार्च को होली, 31 मार्च को ईद उल फितर का अवकाश रहेगा. 6 अप्रैल को रामनवमी, 10 अप्रैल को महावीर जयंती, 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती, 18 अप्रैल को गुड फ्राइडे, 12 मई को बुद्ध पूर्णिमा, 7 जून को बकरीद, 6 जुलाई को मोहर्रम, 9 अगस्त को रक्षा बंधन, 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस, 16 अगस्त को जन्माष्टमी, 5 सितंबर को ईद ए मिलाद का अवकाश रहेगा. अगले साल 1 अक्टूबर को दशहरा, 2 अक्टूबर को गांधी जयंती और विजयदशमी दोनों त्योहारों का अवकाश रहेगा. 20 अक्टूबर को दीपावली, 22 अक्टूबर को गोवर्धन पूजा, 23 अक्टूबर को भैयादूज, 5 नवंबर को गुरुनानक जयंती और 25 दिसंबर को क्रिसमस डे का अवकाश रहेगा. इस बार सिर्फ गणतंत्र दिवस, रामनवमी और मोहर्रम का त्योहार ही रविवार को पड़ने वाला है. ज्यादातर छुट्टियां वर्किंग डे पर रहने वाली हैं सरकार की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि ये सभी त्योहार स्थानीय चंद्र दर्शन के अनुसार होंगे वहीं, साल 2024 में निर्बन्धित अवकाश (स्थानीय छुट्टी) में एक जनवरी को नए साल, 8 जनवरी को हजरत ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती के उर्स, 14 जनवरी मकर संक्रांति, 24 जनवरी को जननायक कर्पूरी ठाकुर जन्म दिवस, 2 फरवरी को बसंत पंचमी, 12 फरवरी को संत रविदास जयंती, 14 फरवरी शबे बरात, 15 मार्च होली, 28 मार्च को जमात–उल–विदा (अलविदा) रमजान का अंतिम शुक्रवार के मौके पर छुट्टी रहेगी.

लोकतंत्र एव संवैधानिक मूल्य की रक्षा करना हमारा परम कर्तव्य ओमकार सिंह कटारिया

उत्तर प्रदेश कांग्रेस का भजपा के कुशाशन के खिलाफ विधानसभा घेराव का कार्यक्रम प्रस्तावित है जिससे उत्तर प्रदेश की योगी सरकार बुरी तरह भयभीत ओर डरी हुई है विधानसभा घेराव के कार्यक्रम को पुलिस के बल पर विफल करने की साजिश कर रही है, कांग्रेस के कार्यकर्ता व नेता लखनऊ न पहुँच सके तानाशाही और जन विरोधी गूंगी बहरी सोई हुई योगी सरकार के खिलाफ आवाज न उठा सके इसलिए पूरे प्रदेश में कांग्रेस के नेताओ को पुलिस का पहरा लगाकर उनके घरों में ही नजरबन्द किया जा रहा है जनपद अमरोहा के कांग्रेस पार्टी के कार्यवाहक जिलाध्यक्ष ओमकार सिंह कटारिया को रात्रि 2 बजे से थाना सैद नगली पुलिस ने घर में नजरबन्द कर दिया इस मौके पर जिला अध्यक्ष ओमकार कटारिया ने कहा कि घरों में नजर बंद करना असंवैधानिक है एवं गैर कानूनी है हम कांग्रेसजन भाजपा के कुशाशन के खिलाफ "संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए उत्तर प्रदेश की विधानसभा का घेराव करके तानाशाही गूंगी बहरी सोई हुई योगी सरकार को जागना चाहते हैं आज पूरे उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था बिल्कुल ध्वस्त है हर तरफ भ्रष्टाचार का बोल बाला है सरकार हाथ पैर हाथ रखे बैठी है किसान परेशान है किसानों के गन्ने का भुगतान नहीं हो रहा है सरकार ने अभी तक गन्ने का रेट घोषित नहीं किया है कांग्रेस पार्टी लगातार गाने का रेट 500 कुंतल की मांग कर रही है युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है महिलाओं के खिलाफ लगातार अपराध हो रहे हैं बिजली का निजीकरण कर रही है जिससे बिजली के रेट बहुत बढ़ जाएंगे भाजपा की सरकारी लगातार प्रजातंत्र एवं लोकतंत्र की हत्या कर रही हैं बाबा साहब के संविधान को बदलना चाहते हैं हमारे संवैधानिक मूल्यों का हनन कर रही हैं सरकार की गलत नीतियों का विरोध करना हमारा संवैधानिक अधिकार है हम कांग्रेस के लोग भाजपा की सरकारों के जुल्म और अन्य के आगे ना झुकेंगे ना डरेंगे हम उत्तर प्रदेश की जनता के हक और सम्मान के लिए लगातार संघर्ष करेंगे पुलिस हमें घरों में नजर बंद करके लोगों के हक की आवाज उठाने से रोक रही है यह हमारी निजता एवं स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन है। हम शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठाना चाहता है, यह डरी हुई योगी और मोदी सरकार की तानाशाही है जो हमे अपने अधिकारों की आवाज उठाने से रोक रही है।

संवावदाता आसिफ सिद्धिकी

पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका के जरिए भारत के इर्द-गिर्द अपना नेटवर्क फैलाया

श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दि. सानायके ने ऐसी बात कह दी है, जिसके बाद चीन भारत की तरफ आंख उठाने से पहले दस बार सोचेगा. उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कहा है कि वह कभी भी श्रीलंका की जमीन का इस्तेमाल भारत के खिलाफ नहीं होने देंगे. इस पर पाकिस्तानी एक्सपर्ट कमर चीमा ने मालदीव और श्रीलंका को भारत के राज्य बताया और कहा कि श्रीलंका को 5 अरब डॉलर की मदद मिली है, जो वहां एग्रीकल्चर, डेयरी और फिशरीज में लगी है. इसका मतलब ये है कि पूरे देश को ही भारत चला रहा है और इसीलिए अनुरा दिसानायके ने ये आश्वासन दिया है क्योंकि उनके पास इसके सिवाय कुछ नहीं था. कमर चीमा ने ये भी कहा कि श्रीलंका चीन के पास जरूर जाएगा क्योंकि चाइनीज तो बाज नहीं आएंगे और वो इंडियन ओशियन में इनवेस्ट करना चाहेंगे, जिसके लिए श्रीलंका से बेहतर मुल्क नहीं हो सकता है. उन्होंने कहा कि हमें एक चीज का तो पता है कि भारत और चीन ये को. शिश कर रहे हैं कि जैसे-तैसे वो अपने इनफ्लूएंस को श्रीलंका के अंदर बढ़ा सके. भारत तो कह रहा है कि हमे श्रीलंका के अंदर कनेक्टिविटी, एनर्जी पार्टनर्शिप, इनवेस्टमेंट की बात कर रहे हैं, लेकिन ये सारी चीजें करने के बाद इंडिया ने भी पूछा कि श्रीलंका कैसा फेवर करेगा. तो वहां पर अनुरा दियासानायके के पास कोई जवाब नहीं था सिवाय इसके कि वह भारत को यह एश्योरेंस दें. पाक एक्सपर्ट कमर चीमा ने कहा कि इंडिया ने 5 अरब डॉलर की लाइन ऑफ क्रेडिट दी है और असिस्टेंस दिया है. ये बड़ी रकम है, कोई मजाक थोड़े है. ये पैसा हाउसिंग, एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर, एग्रीकल्टर, फिशरीज, डेयरी

में दिया है. इसका मतलब भारत तो पूरे श्रीलंका को चला रहा है. उन्होंने कहा, श्इंडिया के लिए तो ये है कि मालदीव और श्रीलंका तो मेरे राज्य हैं, जैसे तमिलनाडू, कर्नाटक हैं क्योंकि 5 अरब डॉलर की लाइन ऑफ क्रेडिट कौन दे सकता है, ये तो वही मुल्क दे सकता है , जो ये महसूस करे कि यहां पर हमारी नेशनल सिक्योरिटी इंटरेस्ट बहुत हाई हैं. तो भारत कह रहा है कि जो पैसा दिया है वो ग्रांट है यानी कि हम आपसे मांगने वाले नहीं हैं.उन्होंने कहा कि चीन ने साल 2022 में श्रीलंका में ओशनोग्राफिक रिसर्च शिप भेजीं, जो यहां पर खुफिया जानकारियां इकट्ठा कर रही थीं. चीन बड़ी-बड़ी इंवेस्टमेंट कर रहा था कि कैसे श्रीलंका के इर्द-गिर्द बैठकर इंडिया की इंटेलीजेंस की जा सकती है, जिससे भारत बड़ा परेशान था. कमर चीमा ने कहा कि अनुरा दिसानायके अपनी फॉरेन पॉलिसी को लेकर काफी शांत थे, जिससे लोग काफी परेशान थे कि वह क्या करेंगे, लेकिन अब उन्होंने भारत को ये कमिटमेंट दे दी है कि हम कुछ भी ऐसा नहीं करेंगे जिससे इंडिया के इंटरेस्ट डिस्टर्ब हों. कमर चीमा ने यह भी कहा कि भले श्रीलंका अभी ये कमिटमेंट कर रहा है, लेकिन उसको चीन के पास ही जाना है. उन्होंने कहा कि श्रीलंका की ब्यूरोक्रेसी, फॉरेन पॉलिसी और फौजें समझ गई हैं कि उन्हें भारत के साथ मिलकर काम करना है. वो समझ गए हैं कि जिस तरह मालदीव चीन जाकर इंडिया आ गया था, हमें इंडिया से होकर चीन चले जाना चाहिए क्योंकि चीन तो जाना ही है इन्हें आज नहीं तो कल. उन्होंने आगे कहा कि सवाल ये है कि चाइनीज तो बाज नहीं आएंगे, वो तो चाहेंगे हम इंडियन ओशियन में इंवेस्ट करें और श्रीलंका से बेहतर मुल्क नहीं हो सकता है. कमर चीमा ने कहा, श्चीन ने इंडिया के इर्द-गिर्द अपना नेटवर्क फैलाया हुआ है. एक तो पाकिस्तान, दूसरा बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका के अंदर भी चीन की प्रेजेंस है. तो इंडियंस महसूस करते हैं कि जिस तरह चीन ने पैसे के जरिए अपना प्रभाव बढ़ाया है, भारत को भी उसी तरह बढ़ाना होगा.

महिलाओं के विरोध के आगे झुक गया ईरान

ईरान में हिजाब को लेकर लगातार विरोध जारी है. हिजाब को लेकर बढ़ते घरेलू और अंतरराष्ट्रीय विरोध के बीच ईरान ने अपने नए हिजाब कानून के लागू होने पर रोक लगा दी है. ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने पिछले शुक्रवार (13 दिसंबर) को लागू होने वाले विवादित हिजाब और पवित्रता कानून को लागू होने को रोक दिया है.ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने हिजाब कानून को लेकर कहा था कि यह कानून अस्पष्ट है और इसमें सुधार की जरूरत है. राष्ट्रपति ने संकेत दिया था कि इस नए हिजाब और पवित्रता कानून को लागू करने से पहले इसके प्रावधानों पर फिर से विचार किया जा सकता है.नए हिजाब कानून में कड़ी सजा का किया प्राविधानउल्लेखनीय है कि ईरान के नए हिजाब और पवित्रता कानून में वैसी मि. हलाओं और लड़कियों के लिए कड़ी सजा का प्रावधान किया गया है जो अपने बाल, बांह और पैर के निचले हिस्से को पूरी तरह से नहीं ढकती है. नए हिजाब कानून में ऐसी महिलाओं और लड़कियों पर भारी जुर्माना और 15 साल तक की जेल की सजा का प्रावधान किया गया है.घरेलू व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रहा विरोधईरान के नए हिजाब कानून को लेकर एमनेष्टी इंटरनेशनल समेय कई मानवाधिकार संगठनों ने इस कानून की कड़ी निंदा की है. एमनेष्टी ने ईरानी अधिकारियों पर 'दमन की दमघोंटू व्यवस्था को और मजबूत करने की को. शिश' करने का आरोप लगाया है. वहीं, ईरान के महिला और परिवार मामलों की पूर्व उपाध्यक्ष मासूमे एब्तेकार ने भी इस कानून की आलोचना की और इसे ईरान की आधी आबादी के लिए अभियोग बताया.राष्ट्रपति ने किया था व्यक्तिगत स्वतंत्रता के सम्मान का वादाइस साल

की शुरुआत में राष्ट्रपति चुनाव के दौरान पेजेश्कियान ने हिजाब को लेकर महिलाओं के साथ सरकार के व्यवहार पर अपनी असहमति जताई थी. वहीं, उन्होंने लोगों के व्यक्तिगत स्वतंत्रता का सम्मान करने का वादा किया था, जो कि ईरानी युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय हुआ था.BBC की रिपोर्ट के मुताबिक, 300 से अधिक ईरानी कार्यकर्ता, लेखक और पत्रकारों ने हाल ही में एक बयान पर हस्ताक्षर किए, जिसमें प्रस्तावित हिजाब कानून का 'अवैध' बताते हुए राष्ट्रपति पेजेश्कियान से अपने वादे को पूरा करने का आग्रह किया गया.

एक देश, एक चुनाव बिल पर लोकसभा में मतदान, पढ़ें पक्ष और विपक्ष में कितने पड़े वोट

नई दिल्ली। लोकसभा में एक देश, एक चुनाव संविधान (129वां संशोधन) विधेयक पेश हो गया है। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने इसे पेश किया है। कानून मंत्री ने विधेयक को जेपीसी (संयुक्त संसदीय समिति) के पास भेजने का प्रस्ताव रखा है। अब इसे जेपीसी के पास भेज दिया गया है।इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग के बाद पर्ची से मतदान सदन में बिल स्वीकार करने के लिए वोटिंग इलेक्ट्रॉनिक मशीन से वोटिंग हुई। बिल के पक्ष में 220, जबकि विपक्ष में 149 वोट पड़े। हालांकि, विपक्षी दलों ने इस पर आपत्ति जताई। विपक्ष की आपत्ति के बाद पर्ची से मतदान हुआ।पर्ची से मतदान के नतीजे लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने नतीजों की घोषणा की। उन्होंने बताया कि प्रस्ताव पेश करने के पक्ष में 269 और विपक्ष में 198 वोट पड़े।पीएम ने दिया था श्रच्च में भेजने का सुझावरू शाहगृह मंत्री अमित शाह ने बताया कि जब इस विधेयक को मंजूरी के लिए कैबिनेट में लाया गया था, तो प्रधानमंत्री ने विधेयक को विस्तृत चर्चा

के लिए जेपीसी के पास भेजने का सुझाव दिया था। पीएम मोदी ने कहा था कि इसे विस्तृत चर्चा के लिए जेपीसी के पास भेजा जाना चाहिए। शाह की टिप्पणी का समर्थन करते हुए मेघवाल ने जेपीसी गठन का प्रस्ताव दिया।केंद्रीय मंत्री ने जैसे ही विधेयक को लोकसभा में पेश किया। तभी विपक्षी दल के सांसद हंगामा करने लगे। कांग्रेस इसका पुरजोर विरोध कर रही है। इसके अलावा सपा, टीएमसी, आरजेडी, पीडीपी, शिवसेना उद्धव गुट और जेएमएम भी इस पर विरोध जता रही है। सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा कि तानाशाही थोपने की कोशिश की जा रही है। वन नेशन-वन इलेक्शन के पक्ष में ये दल भाजपा,जेडीयू,टीडीपी,वाईएआर कांग्रेस,बसपा,वन नेशन-वन इलेक्शन के विरोधदल,कांग्रेस,सपा,टीएमसी,आरजेडी,पीडीपी,,शिवसेना उद्धव गुट,जेएमएम,इससे पहले, लोकभा स्पीकर ने कहा कि इस पर जेपीसी के समय व्यापक चर्चा होगी। चर्चा के लिए सभी को पूरा समय दिया जाएगा। पूरे विस्तार के साथ चर्चा होगी। स्पीकर ने कहा कि जितने दिन आप चर्चा चाहते हो, मैं उतने दिन का ही समय दूंगा।

आंत में छुपाकर दुबई से सोना ला रही थी महिला, दिल्ली एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने ऐसे पकड़ा

दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने 770 ग्राम गोल्ड पेस्ट के साथ एक महिला को गिरफ्तार किया है. महाराष्ट्र की रहने वाली महिला यात्री दुबई से बैंकाक, बैंकाक से नेपाल और नेपाल से भारत के आईजीआई एयरपोर्ट पर यह सोना लेकर पहुंची थी. महिला ने गोल्ड पेस्ट को तीन कैप्सूल में भरकर अपनी आंत में छुपाया हुआ था.कस्टम विभाग ने महिला को गिरफ्तार कर सोना सीज कर लिया है. वहीं बरामद सोने की कीमत करीब 50 लाख रुपये बताई जा रही है. जानकारी के अनुसार, कस्टम विभाग को इंटेलीजेंस इनपुट मिला था, जिसके बाद महिला की जांच की गई. पिछले दो दिनों में दिल्ली एयरपोर्ट पर दो अलग-अलग मामलों में कस्टम विभाग ने गोल्ड स्मगलिंग के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है.कस्टम डिपार्टमेंट ने अपने एक बयान में बताया है कि

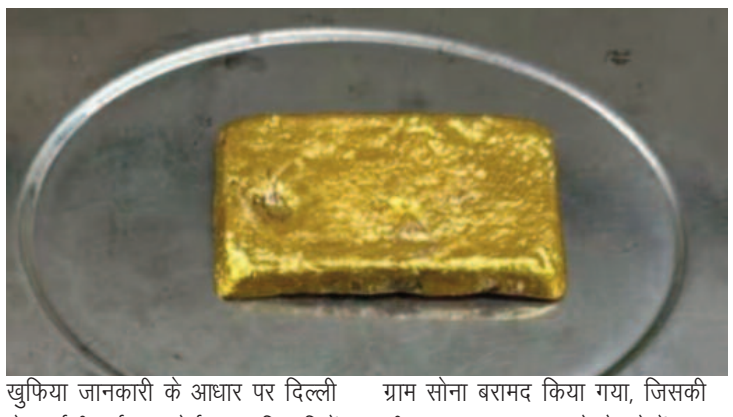

खुफिया जानकारी के आधार पर दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर अधिकारियों ने दो लोगों को रोका. उनकी तलाशी ली गई. इस दौरान एक शख्स के अंडरगारमेंट्स में छिपा सोने का पेस्ट बरामद किया गया. इसके बाद विस्तार से तलाशी में पेस्ट युक्त थैलियां मिलीं, जिनमें से 24 कैरेट सोना निकाला गया है.इलेक्ट्रिक एडॉप्टर में छिपाकर लाया गया 300 ग्राम सोनाएक अधिकारी ने बताया कि उनके पास से कुल 931.57 ग्राम सोना बरामद किया गया, जिसकी कीमत 68.93 लाख रुपये है. दोनों यात्रियों को गिरफ्तार कर लिया गया है. एक अन्य मामले में इलेक्ट्रिक एडॉप्टर में छिपाकर लाया गया 300 ग्राम सोना जब्त किया गया है. एक्स रे स्कैनर के दौरान पता चला कि आरोपी यात्री ने एडॉप्टर के अंदर सोने की दो छड़े रखी हैं. दोनों ही मामलों में सोना रियाद से दिल्ली लाए गए थे. कुल बरामद सोने की कीमत करीब एक करोड़ रुपये है.

भोपाल में भयंकर सर्दी, तोड़ा 53 साल का रिकॉर्ड, अभी और गिरेगा पारा

राजधानी में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। भोपाल में रविवार-सोमवार को 56 साल बाद दिसंबर की सबसे सर्द रात रही। वहीं 53 साल पुराना 1971 का रिकॉर्ड टूट गया। न्यूनतम तापमान 3.3 डिग्री पर पहुंच गया। यदि तापमान 0.3 डिग्री और गिर गया तो ओवरऑल रिकॉर्ड टूट जाएगाकडकड़ाती ठंड से लोग रजाई और मोटे कंबलों में दुबके रहे। इतनी सर्द रातइसके पहले 27 दिसंबर 1968 को थी। तब न्यूनतम तापमान 3.2 डिग्री दर्ज किया गया। जबकि ऑल टाइम रिकार्ड 3.1 डिग्री का 11 दिसंबर 1966 का है। शीत लहर की स्थिति होने के कारण शाम से ही लोग घरों में दुबक गए। उत्तरी सर्द हवाओं के कारण सा. `मवार को भी दिन में कड़ाके की ठंडक रही। राजधानी में लगातार तीसरे दिन न्यूनतम तापमान सामान्य से 7.6 डिग्री कम रहा। हवाओं के चलने से शीत लहर की स्थिति बनी हुई है। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला ने बताया कि दिसंबर में पहली बार ऐसी सर्दी भोपाल में पड़ रही है। 2021 और 1971 में भी भोपाल में न्यूनतम तापमान था।शहर में सोमवार को सुबह से ही सर्द हवाओं का दौर रहा और दिन में भी लोग सर्दी से बेहाल नजर आए. इसका कारण यह था कि दोपहर तक हवा का रुख उत्तरी था, वहीं दोपहर में कुछ समय के लिए पूर्वी भी हुआ, ऐसे में दोपहर में थोड़ी राहत नजर आई। इसके चलते दिन के तापमान में सोमवार को लगभग ढाई डिग्री का इजाफा हो गया।मौसम विभाग की फोरकॉस्ट इंचार्ज डॉ. दिव्या सुरेंद्रन के अनुसार अभी हवा पूरी तरह से उत्तरी है। एक प्रतिचक्रवात पूर्वी राजस्थान और उत्तर पश्चिम मप्र में बना हुआ है। इसके कारण सर्द हवाओं का प्रवेश हो रहा है। लेकिन मंगलवार से थोड़ी राहत मिल सकती है। जब हवा का रुख दक्षिण होने से तापमान में थोड़ी बढ़ोतरी होगी।

23 साल बाद पाकिस्तान से भारत लौटीं हमीदा बानो

मुंबई के कुर्ला की रहने वाली हमीदा बानो 23 साल बाद पाकिस्तान से भारत लौट आई हैं. उनका कहना है कि उन्हें धोखे से पाकिस्तान ले जाया गया था. लेकिन दो साल पहले उनका एक वीडियो वायरल होने के बाद वे सुर्खियों में आईं. इसके बाद इंडियन एंबेसी ने उनसे संपर्क किया और एक साल बाद हमीदा अपने वतन लौट आईं. भारत लौटकर हमीदा बानो ने कहा, ष्पाकिस्तान से 20 साल बाद भारत लौटीं हूं. मैं पाकिस्तान में रहती थी और मुझे धोखे से वहां ले जाया गया था. मैं 23 साल बाद भारत लौटी हूं. मेरा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ. एक साल पहले भारतीय दूतावास ने मुझसे संपर्क किया और कहा कि मैं भारत जा सकती हूं. आज मैं भारत लौट आई हूं. ष्मुंबई के कुर्ला की रहने वाली हमीदा बानो 23 साल बाद पाकिस्तान से भारत लौट आई हैं. उनका कहना है कि उन्हें धोखे से पाकिस्तान ले जाया गया था. लेकिन दो साल पहले उनका एक वीडियो वायरल होने के बाद वे सुर्खियों में आईं. इसके बाद इंडियन एंबेसी ने उनसे संपर्क किया और एक साल बाद हमीदा अपने वतन लौट आईं. भारत लौटकर हमीदा बानो ने कहा, ष्पाकिस्

तान से 20 साल बाद भारत लौटीं हूं. मैं पाकिस्तान में रहती थी और मुझे धोखे से वहां ले जाया गया था. मैं 23 साल बाद भारत लौटी हूं. मेरा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ. एक साल पहले भारतीय दूतावास ने मुझसे संपर्क किया और कहा कि मैं भारत जा सकती हूं. आज मैं भारत लौट आई हूं.

24 करोड़ रूपये से बनेगा बरातघर, पार्क और डिजिटल लाइब्रेरी, काम जल्द शुरू होगा

अलीगढ़ नगर निगम 24 करोड़ रुपये से शहर में बरातघर, पार्क और डिजिटल लाइब्रेरी का निर्माण कराएगा। इसके अलावा गांधी पार्क का सुंदरीकरण कराया जाएगा। इसके लिए निगम के अफसरों ने प्रस्ताव तैयार कर लिया है। नए साल में शहरवासियों को तोहफा मिलने की उम्मीद है। नगर निगम ने मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए मथुरा रोड पर बरातघर का निर्माण कराने का प्रस्ताव तैयार किया है।
इससे आम लोगों का कम कीमत में कार्यक्रम के लिए बढ़िया स्थान मिल जाएगा। इसके लिए भूमि का भी चयन कर लिया गया है। कंपनी बाग चौराहे स्थित गांधी पार्क में बच्चों के लिए झूला, म्यूजिक सिस्टम, ओपन जिम और महात्मा गांधी की प्रतिमा लगाने का कार्य किया जाएगा। इसके अलावा युवाओं के लिए डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित कराया जाएगा। नगर निगम मेयर– प्रशांत सिंघल ने कहा
मथुरा रोड पर बरातघर का निर्माण कराया जाएगा। डिजिटल लाइब्रेरी और पार्क का सौंदर्यीकरण भी कराया जाएगा। इसकी रूप रेखा तैयार कर ली गई है। जल्द ही इसका निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा।नगर निगम , मुख्य अभियंता – सुरेश चंद्र ने कहा बरातघर, पार्क सुंदरीकरण और डिजिटल लाइब्रेरी का प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है। नए साल में कार्य शुरू कराया जाएगा।

अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी की वन्य जीव विज्ञान विभाग की टीम ने किया शेखा झील का दौरा।

अलीगढ़ अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी की वन्य जीव विज्ञान विभाग की टीम ने शेखा झील कर दौरा कर वस्तुस्थिति को देखा।
प्रोफेसर सतीश कुमार ने बताया वन्य जीव विज्ञान की टीम ने पूर्व में भी शेखा झील का भ्रमण कर छात्र छात्राओं के साथ यहां सफाई अभियान चलाया था। आज वो पुनः अपनी टीम के साथ जलकुंभी के बढ़ते हुए प्रकोप को देखने आए है। उन्होंने बताया कि यह समय देश दुनिया के पक्षियों का शेखा झील आने का है। ऐसे में अगर इसकी यही दुर्दशा रही तो पक्षी यहां से लौट जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह बहुत चिंता का विषय है कि शेखा झील एक पक्षी विहार के रूप में देश दुनिया में मशहूर है। ऐसे में शासन और प्रशासन को इस ओर ध्यान देने की आवश्यकता है। इस अवसर पर वरिष्ठ पर्यावरणविद् सुबोध नंदन शर्मा भी उपस्थित रहे। सुबोध नंदन शर्मा ने बताया कि वो पिछले कई वर्षों से इस मुद्दे को विभिन्न स्तर पर उठा रहे हैं। लेकिन अभी तक इतने महत्वपूर्ण स्थल पर जलकुंभी का कोई स्थाई समाधान नहीं निकल सका है। प्रोफेसर उरूश इलियास ने कहा कि जलकुंभी व बेशर्म घास व खेतों से आने वाली सिल्ट ने यहां काफी नुकसान पहुंचाया है। जिसकी समय समय पर सफाई आवश्यक है। इसके लिए उचित समय ग्रीष्म ऋतु का है। अन्यथा यहां आने वाले पक्षी अपना स्थान किसी दूसरे जगह बना लेंगे। आज के दौरे पर यह भी ध्यान में आ रहा है कि यहां की जैव विविधता में काफी कमी आई है। इस अवसर पर डॉ शरद कुमार, रजा हैदर, अक्षा जसीम, रिफा दिलदार, ज्ञानेंद्र मिश्रा आदि उपस्थिति रहे।

संवावदाता वीरेंद्र सिंह

42 प्रत्याशियों के बीच होगा मुकाबला, किसी ने नहीं वापस लिया पर्चा

दि अलीगढ़ बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव के लिए नामांकन की प्रक्रिया पूरी हो गई है। सोमवार को अंतिम दिन किसी भी प्रत्याशी ने अपना नामांकन वापस नहीं लिया। इसके बाद चुनाव की तस्वीर पूरी तरह से साफ हो गई है। चुनाव में विभिन्न पदों के लिए कुल 42 प्रत्याशियों के बीच कड़ा मुकाबला होगा। बार चुनाव को लेकर सरगर्मियां बढ़ गई हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि अध्यक्ष पद पर आठ, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर चार, कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर तीन, कोषाध्यक्ष पद पर तीन, महासचिव पद पर पांच, संयुक्त सचिव प्रशासन पद पर चार, संयुक्त सचिव पुस्तकालय पद पर दो, वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य पर छह एवं कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य पद पर छह प्रत्याशी समेत कुल 42 प्रत्याशी आमने–सामने हैं। उन्होंने बताया कि अध्यक्ष पद के लिए शैलेंद्र कुमार सिंह, संतोष कुमार वशिष्ठ, भुवनेश कुमार गोस्वामी, उमेश कुमार पाठक, राजेंद्र प्रसाद वर्मा, अनूप कौशिक, मनोज कुमार शर्मा व राम अवतार सिंह ने नामांकन किया है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए देवेंद्र सिंह राघव, संजय कुमार सहगल, शिवकुमार भारद्वाज व राम कुमार गुप्ता ने नामांकन किया है। कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए कमला भट्ट, तनवीर अहमद, अनमोल कुमार सिंघल, कोषाध्यक्ष पद पर जगदीश प्रसाद बघेल, वेद प्रकाश शर्मा, आशीष मोहन यादव, महासचिव पद पर दीपक बंसल, राजीव कुमार, हरेंद्र सिंह चौहान, अनिल कुमार शर्मा, राजेंद्र कुमार शर्मा ने नामांकन दाखिल किया है। संयुक्त सचिव प्रशासन के लिए रामानुज कौशिक, जु. ल्फिकार अली भुट्टो, पवन प्रताप सिंह, गुंजन गुप्ता, संयुक्त सचिव प्रकाशन के लिए दिनेश कुमार सिंह, संयुक्त सचिव पुस्तकालय पद के लिए उभयवीर सिंह, अमित कुमार, वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य के लिए जयप्रकाश रावत, एस रहमान, उदयवीर सिंह राना, उदयवीर सिंह, नीरज कुमार सिंह व जितेंद्रपाल सिंह ने नामांकन दाखिल किया है। कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य पद के लिए कमलेश कुमारी, मो. असलम खान, अर्जुन सक्स. `ना, राकेश कुमार, भगवानदास, मोहसिन खान के नाम शामिल हैं। उन्होंने बताया कि मंगलवार को नामांकन प्रपत्रों की सूची प्रकाशित होगी। 20 दिसंबर को सुबह साढ़े आठ बजे से शाम पांच बजे तक कलक्ट्रेट परिसर स्थित कार्यालय में मतदान होगा। 21 दिसंबर को सुबह आठ बजे से मतगणना होगी।

जन शिकायतों पर नगरायुक्त ने दिए प्रभावी कार्यवाही के निर्देश

अलीगढ़ (जननायक सम्राट)जनसुनवाई में आने वाले प्रत्येक नागरिक का नगर निगम स्वागत करता है नागरिकों के सुझाव व समस्या नगर निगम की कार्यप्रणाली में सुधार का प्रमुख स्रोत है। नगर निगम जन समस्याओं पर त्वरित कार्यवाही के लिए निरंतर प्रयासरत हैरू– नगरायुक्त विनोद कुमार जन शिकायतों पर प्रभावी ढंग से कार्रवाई किए जाने के लिए उत्तर प्रदेश के नगर विकास मंत्री श्री आर के शर्मा की पहल पर प्रत्येक मंगलवार को शुरू किए गए ष्संभवष् संतुष्टि एवं समृद्धि के अंतर्गत जन शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निस. तारण हेतु मंगलवार को सेवाभवन मे नगरायुक्त कक्ष में नगरायुक्त विनोद कुमार ने अपने सभी विभागों के अधिकारियों को बैठाकर जनता की जन समस्याओं को सुना।मंगलवार सुबह 10:00 से 2:00 के मध्य नगरायुक्त विनोद कुमार ने नगर निगम सेवाभवन में ष्संभवष् संतुष्टि एवं समृद्धि के तहत जनसुनवाई में अपर नगर आयुक्त राकेश कुमार यादव सहायक नगर आयुक्त वीर सिंह मुख्य अभियंता सुरेश चन्द्र को बै. ठाकर नागरिकों व पार्षद की समस्याओं को सुना मौजूद अधिकारियों को तत्काल मौके पर शिकायतकर्ता से सम्पर्क कर समस्या का समाधान कराए जाने के निर्देश दिए। ष्संभवष् संतुष्टि एवं समृद्धि के तहत जनसुनवाई में नगरायुक्त विनोद कुमार के समक्ष शिकायतकर्ता शहवेज खाँ ने हाउस टैक्स में पिताजी का नाम सही करने के संबंध में अमर श्रीवास्तव ने अवैध छज्जा निर्माण कों रुकवाने के संबंध मे प्रेम कुमार ने सड़क निर्माण के संबंध मे विजय बहादुर ने सड़क पर अवैध पार्किंग कों रोकने के संबंध मे समस्या बतायी स जनसुनवाई में आयी 04 शिकायतों पर नगरायुक्त ने सभी विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों को तत्काल समस्याओं का निदान कराए जाने का उत्तरदायित्व निर्धारित किया

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व सचिव पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त

अलीगढ़ श्योराज जीवन में समस्त अलीगढ़ के कांग्रेस जनों को आवाहन किया है, किकल 18 दिसंबर को बड़ी से बड़ी संख्या में लखनऊ उत्तर प्रदेश के यशस्वी क्रांतिकारी जुझारू प्रदेश अध्यक्ष पूर्व मंत्री उत्तर प्रदेश शासन माननीय श्री अजय राय जी के निर्देश पर विधानसभा का घिराब किया जाएगा, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महामंत्री, उत्तर प्रदेश के प्रभारी लोकप्रिय जनप्रिय बहुत ही व्यवहार कुशल माननीय श्री अविनाश पांडे जी की अगुवाई में विशाल प्रदर्शन होगा!!श्योराज जीवन ने सब साथियों से निवेदन किया है, कि अलीगढ़ के ही नहीं उत्तर प्रदेश के कोने कोने के तमाम कांग्रेस जन लखनऊ पर पहुंच रहे हैं!!श्योराज जीवन ने आगे कहा है, जिस कांग्रेस के नेताओं, स्वतंत्रता सेनानी ने हंसते–हंसते सीनों पर गोलियां नहीं खाई होती, फांसी के तख्ते पर नहीं झूले होते तो कभी भी भारत आजाद नहीं होता भारत की आजादी के 75 साल बाद इस जालिम हुकूमत ने किस तरीके से उत्तर प्रदेश में नहीं देश में मां बहन बेटियां जिन हाथों पर राखी बांधती है उन्हें कटवाने का काम जाति और धर्म की आड़ लेकर लोगों को घर से बेघर किया जा रहा है!!उन्होंने बताया कि आज उत्तर प्रदेश में जंगल राज कायम है, उत्तर प्रदेश में कब और कहां किसकी हत्या हो जाए कुछ कहा नहीं जा सकता, महंगाई इतनी बड़ गई है, कि लोग त्राहित्रत्राहि कर रहे हैं,भूखों मरने कि नौबत आ गई है, हमारे क्रांतिकारी, जुझारू,संघर्ष शील प्रदेश अध्यक्ष श्री अजय राय जी के निर्देश के पर कल 18 तारीख को विधानसभा का घिराब होगा, तमाम कांग्रे जनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील करता हूं, अलीगढ़ सभी बड़ी संख्या में तमाम वरिष्ठ कांग्रेस जन पहुंचेंगे और मान्यवर प्रदेश अध्यक्ष के निर्देशों का पालन करेंगे!!

अखिल भारतीय करणी सेना हरिगढ़ के पदाधिकारियों द्वारा हरिद्वार से उज्जैन जा रही . 51 लीटर कावड़ यात्रा के हरिगढ़ में आगमन पर भव्य स्वागत किया गया।

अखिल भारतीय करणी सेना हरिगढ़ के पदाधिकारियों द्वारा हरिद्वार से उज्जैन जा रही 51 लीटर कावड़ यात्रा के हरिगढ़ में आगमन पर भव्य स्वागत किया गया। अखिल भारतीय करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष ठा0 ज्ञानेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि पानीपत हरियाणा निवासी गौ रक्षक गुर्जर कमल आर्य द्वारा 51 लीटर गंगाजल की कावड़ पद यात्रा हरिद्वार से उज्जैन तक जिसकी दूरी लगभग 1100 किलोमीटर होती है, को 26 नवंबर से प्रारंभ किया था जिसके आज हरिगढ़ आगमन पर अखिल भारतीय करणी सेना के पदाधिकारियों द्वारा जिलाध्यक्ष युवा शक्ति सचिन राघव के निर्देशन में एवं महानगर अध्यक्ष युवा शक्ति आलेख सैनी के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया गया स्वागत कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष ठा0 ज्ञानेन्द्र सिंह चौहान, वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष आशीष चौहान, प्रदेश उपाध्यक्ष विकास दीक्षित, निगम पार्षद दिनेश भारद्वाज, दलवीर सिंह, बीपी सिंह आदि पदाधिकारियों ने गौ रक्षक कमल आर्या का माला एवं पट्टिका पहनाकर स्वागत किया वहीं युवा टीम द्वारा भी सभी कावड़ यात्रियों का माला एवं पट्टिका पहनाकर स्वागत किया गया तथा सभी को जलपान कराया गया। गौ रक्षक कमल आर्या ने बताया कि उन्होंने यह यात्रा गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित करने के प्रण के साथ प्रारंभ की है जो कि महाशिवरात्रि पर उज्जैन में महाकाल बाबा के जलाभिषेक के उपरांत पूर्ण होगी। स्वागत करने वाली युवा टीम में मनु ठाकुर, कृष्णा लोधी, अजय लोधी, पवन राजपूत, अमित राजपूत, विशाल सैनी, शरद ठाकुर, हर्ष राणा, नितिन ठाकुर आदि करणी सैनिक उपस्थित थे।

मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत ने मण्डल स्तरीय खादी ग्रामोद्योग एवं माटीकला प्रदर्शनी का का किया शुभारंभ

अलीगढ़ मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती विजय सिंह द्वारा नुमाईश मैदान स्थित शिल्पग्राम में मण्डल स्तरीय खादी ग्रामोद्योग एवं माटीकला प्रदर्शनी का फीता काटकर, दीप प्रज्ज्वलन कर एवं मॉ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर शुभारंभ किया गया। मा0 अध्यक्ष ने इस अवसर पर प्रदर्शनी का भ्रमण कर विभिन्न राज्यों एवं प्रदेश के जिलों से आए ग्रामोद्योगियों एवं माटीकला के कारीगरों के उत्पादों का अवलोकन किया और उनकी खरीददारी की औरपरंपरागत रूप से चरखे पर सूत काता और सेल्फी प्वाइंट पर गॉदी जी और मोदी जी के स्टैच्यू के साथ फोटो भी कराई।कार्यक्रम में महाकवि नीरज जी के पूर्व पीआरओ रामसिंह द्वारा सरस्वती वंदना, खुशी गौतम द्वारा स्वागत गान, अनीता एवं शशि सिंह द्वारा बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ नृत्य नाटिका, सोनू कुमार के निर्देशन में न्यू जनरेशन ग्रुप शिव तांडव एवं नन्हीं बालिका नीति शर्मा द्वारा रामायण की संगीतमय प्रस्तुति दी गई। इस अवसर मा0 अध्यक्ष एवं अतिथियों द्वारा लगपति दीदी कार्यक्रम पर ममता राजपूत द्वारा लिखित एवं अरून खरे द्वारा गाए गए गीत मोदी जी का सपना है लखपति दीदी बनाएंगे... का विमोचन भी किया गया।मा0 अध्यक्ष श्रीमती विजय सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि इस मण्डल स्तरीय प्रदर्शनी ने आमजन मेंजागरूकता आएगी और ग्रामोद्योग व माटीकला के कारीगरों को रोजगार के और अधिक अवसर सृजित होंगे।मोदी जी के नेतृत्व में देश–प्रदेश में माटीकला के कारीगरों को नई पहचान मिली है। मोदी जी और योगी जी का सपना है कि महिलाएं आत्मनिर्भर और सशक्तहों इसके लिए ड्रोन दीदी से लेकर लखपति दीदी कार्यक्रम समेत अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित हैं। उन्होंने 2047 तक चल रहे अमृतकाल में देश को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प दिलाते हुए कहा कि इसमें हम सभी को अपनी भागेदारी सुनिश्चित करनी है। उन्होंने जन. पदवासियों से प्रदर्शनी में आए बिजनौर के गुड़, हाथरस की हींग, कासगंज के जरी–जरदोजी समेत अन्य ग्रामोद्योगियों के उत्पादों की खरीद करने का आव्हान किया ताकि ग्रामोद्योगों को और अधिक बढ़ावा मिल सकेप्रदेश अध्यक्ष प्रजापति समाज देवकी नंदन गोला ने कहा कि योगी जी के नेतृत्व में खादी एवं ग्रामोद्योगों को लगातार बढ़ावा मिल रहा है।वह सरकार द्वारा संचालित ऋण योजनाओं में आवेदन करें और उनका लाभ लें।पूर्व राज्यमंत्री श्रीमती राजकुमारी गोला ने कहा कि खादी एवं ग्रामोद्योग का गठन तो पूर्व सरकारों के समय से ही हो गया था परन्तु इसका लाभ हमारे पंरपरागत कारीगरों और लघु व कुटीर उद्योगों को नहीं मिल पा रहा था। योगी जी के नेतृत्व में प्रदेश भर में प्रदर्शनी एवं अन्य आयोजनों के माध्यम से सरकार की योजनाओं को जन–जन तक पहुॅचाने का कार्य आरंभ हुआ जिसका सुखद परिणाम आप सभी के सामने है।जिला विकास अधिकारी आलोक आर्य ने कहा कि खादी एवं मिट्टी के उत्पादों का उपयोग करते समय हम सभी को यह सुखद अनुभूति होती है कि हम अपनी संस्कृति और मिट्टी से जुड़ गए हैं। 21 वीं सदी में आज स्टार्टअप

हा समय है। उन्होंने युवाओं से आव्हान किया कि वह सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ प्राप्त कर स्वरोजगार की ओर रूख करें और देश को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में अपनी भूमिका अदा करें। उन्होंने जनपदवासियों से आव्हान किया कि 30 दिसंबर तक आयोजित होने वाली इस प्रदर्शनी में आकर उत्पादों की खरीद अवश्य करें।इस अवसर पर सर्वोदय खादी सेवा आश्रम छर्रा के युवा उद्यमी हर्षित प्रधान ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उनके पिताजी जगदीश प्रसाद प्रधान ने 1992 में संस्था आरंभ की और आज उनके उत्पाद देश–प्रदेश समेत रेलवे तक में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने नए ग्रामोद्योगियों से आव्हान किया कि वह सरकार की योजनाओं का लाभ लेकर स्वरोजगार स्थापित करें।कार्यक्रम में मा0 अतिथियों द्वारा कलाकारों को स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला ग्रामोद्योगअधिकारी एटा अशोक सिंह, जिला ग्रामोद्योग अधिकारी हाथरस दिनेश कुमार शर्मा समेत अन्य अधिकारी व कार्मिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर 70 से अधिक ग्रामोद्योगियों द्वारा अपने स्टॉल प्रदर्शन एवं बिक्री के लिए लगाए गए। कार्यक्रम का संचालन ममता राजपूत द्वारा किया गया।

धर्म का मकसद आत्मा को जागृत करना

प्रभु ईसा मसीह के जानें 10 अनमोल विचार

ईसा मसीह ने लोगों को सत्य पर चलने की सीख दी और कहा कि वे कभी भी अपने मार्ग से भटके नहीं. आने वाले 25 दिसंबर को ईसाई धर्म का सबसे खास त्योहार क्रिसमस बड़े धूमधाम से मनाया जाएगा. प्रभु यीशु ने हमेशा लोगों को दया भाव और अहिंसा पर चलने के लिए प्रेरित किया. आइए जानते हैं इनके 10 अनमोल विचार ईसा मसीह के दस अनमोल विचार कौन से हैईश्वर में विश्वास रखना– ईसा मसीह ने कहा है कि इस दुनिया में ईश्वर सबसे बड़ा है जिसके सामने हर व्यक्ति को झुकना चाहिए और विश्वास भी करना चाहिए. इस संसार में कई ऐसे काम है जो बस मनुष्य ही कर सकता है लेकिन इसके लिए उसको ईश्वर में विश्वास रखना होगा तभी उसके सारे काम सफल हो सकेंगे.प्रेम और करुणा के साथ जीवन जीना– ईसा मसीह ने बताया कि व्यक्ति को अपने दोस्तों, रिश्तेदारों के साथ बहुत प्रेम और करुणा के साथ जीवन जीना चाहिए. प्रेम के बिना व्यक्ति का कोई भी रिशता सफल नहीं हो सकता. इसलिए व्यक्ति को सभी रिशतेदारों के साथ भी उसी तरह का व्यवहार करना चाहिए जैसे वह अपने परिवार के साथ करता है. क्रोध–माया, जो सारे सफल काम को असफल बना देती है, इसलिए इससे बचना चाहिए. सत्य को महत्व देना– व्यक्ति को हमेशा जीवन में सत्य के साथ ही जीना चाहिए तथा इसको जीवन के सबसे महत्वपूर्ण स्थान पर रखना चाहिए. सत्य वचन व्यक्ति में ऊर्जा का संचार करते है और उसे नकारात्मक के प्रभाव से बचाते है. अगर कोई व्यक्ति जीवन में सत्य के साथ चलता है तो तब उसे कई दुप्रभाव से बचाया जा सकता है.क्षमा ही शक्ति है – ईसा मसीह ने किसी व्यक्ति द्वारा किसी ओर को क्षमा करने को दुनिया का सबसे बड़ा धर्म माना है. उन्होंने कहा गलती करने वाले से ज्यादा बड़ा वह होता है जो उसे क्षमा करता है. क्षमा करना दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण काम है और इससे कई बार उसके शत्रु का मन भी पिगल जाता है. शक्ति ही जीवन का सार है – शक्ति जीवन का वह आधार है जो कभी किसी

व्यक्ति के अंदर से मिटता नहीं है. लेकिन इसके लिए अपनी दुर्बलता को मात देना या खत्म करना आवशयक है इसके साथ–साथ मानव के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक शक्ति को भी महत्वपूर्ण हिस्सा बताया गया है. ताकतवरशख्सियत कभी दुनिया के सामने झुकता नहीं है और हमेशा अलग ही पहचान के साथ सामने आता है.मनुष्य खुद भाग्य का निर्माता है– व्यक्ति को अगर अपने ऊपर आत्मविश्वास और आत्मनियंत्रण है तो वह किसी भी परिस्थिति में कठिन से कठिन काम बड़ी आसानी से कर सकता है. वह अपने भाग्य का खुद निर्माता है चाहे वह अच्छा हो या बुरा.असफलता ही सफलता की ओर पहला कदम है – हर व्यक्ति जीवन में असफल होता है लेकिन उसे इससे घबराना नहीं चाहिए क्योंकि यही उसके सफलता की ओर पहला कदम है . दुनिया का हर व्यक्ति किसी भी नए काम की जब शुरुआत करता है तो उसे असफलता जरुर मिलती है उसके बाद अगर वह इससे सिखते हुए आगे बढ़ता रहेगा तो उसे जीवन में एक दिन सफलता जरुर मिलेगी.सेवा और समर्पण के साथ जीवन जीना– ईसा मसीह के अनुसार , व्यक्ति का परम कर्तव्य इस दुनिया में आने और जन्म लेना का यह है कि वह दूसरों की सेवा करें चाहे वह गरीब व्यक्ति हो पशु–पक्षी हो पेड़ पौधे आदि. आज प्रकृति को सेवा की जरुरत है जैसे– पहाड़, नदी, समुद्र , घास के मैदान आदि. इसलिए सेवा सबसे जरुरी है.सभी धर्मों का आदर करना– धर्म का मुख्य उद्देश्य आत्मा को जागृत करना है और आपस में प्यार की भावना रखना है. सभी धर्म यहीं सीख देते है कि दूसरों को अपना दुशमन ना समझे. खुद को कमजोर ना समझना– ईसा मसीह ने व्यक्ति को स्वयं की शक्तियों को पहचानने और खुद पर विश्वास रखने का संदेश दिया है. उन्होंने बोला कि इंसान एक अनंत आत्मा है, जिसको कभी हराया नहीं जा सकता. कमजोर व्यक्ति को हमेशा सभी परिस्थितियों में मदद का भाव रहता है जिसकी वजह से वह अपनी शक्तियों को पहचान ही नहीं पाता.

खुली दान पेटिका, फिर अरबपति हुए महाकाल

विश्व प्रसिद्ध बाबा महाकाल की दान पे. टिका साल के अंत से पहले खोली गई है. इस बार 2024 में मंदिर की आय एक अरब 65 करोड़ रुपए से ज्यादा पहुंच गई है. मंदिर समिति को अभी 18 दिन का दान और अन्य आय की गणना करना बाकी है. बता दें लगभग सौ से अधिक दान पेटिकाएं रहती हैं.विश्व प्रसिद्ध बाबा महाकाल की दान पेटिका साल के अंत से पहले खोली गई है. इस बार 2024 में मंदिर की आय एक अरब 65 करोड़ रुपए से ज्यादा पहुंच गई है. मंदिर समिति को अभी 18 दिन का दान और अन्य आय की गणना करना बाकी है. बता दें लगभग सौ से अधिक दान पे. टिकाएं रहती हैं.बता दे कि महाकाल कॉरिडोर बनने के बाद महाकाल मंदिर में रोजाना लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं का आगमन लगा रहता है.जो भी श्रद्धालु बाबा के दर्शन करने आता है, वह दिल खोलकर दान कर रहे हैं. इससे मंदिर की आय लगातार बढ़ती जा रही है. इस बार 2024 मे भी महाकाल मंदिर की आय बढ़ी है.रोजाना जो भी श्रद्धांलु भग. वान महाकाल के दरबार पर आते हैं.वह अलग अलग दान देते है. मंदिर को दान पेटी के अलावा कई तरह से दान आते है.जैसे कि भेंट पेटियों,शीघ्र दर्शन,भस्म आरती से बुकिंग,अभिषेक से आय,अन्न क्षेत्र से आय, धर्मशाला बुकिंग से आय, फोटोग्राफी मासिक शुल्क से आय,भांग एवं ध्वजा बुकिंग से आय,उज्जैन दर्शन बस सेवा से आय और कई अन्य आय से महाकाल का खजाना 2024 मे भर चुका है.रोजाना मन्नत पूरी होने पर श्रद्धालु भगवान महाकाल को सोने चांदी के आभूषण भी भेंट करते हैं.इस बार भी अगर साल 2024 की बात करें तो बड़ी संख्या में सोना–चांदी भी दान किया है. 1 जनवरी 2024 से 13 दिसंबर 2024 तक 399 किलो चांदी दान की है.जिसकी कीमत करीब 2 करोड़ से अधिक है. जबकि 95 लाख 29 हजार 556 रुपए का 1533 ग्राम सोना भी इसमें शामिल है. इतना ही नहीं मंदिर कि दान पेटीयो मे इस बार श्रद्धांलु सोना चांदी के साथ डायमंड की अंगूठी, कीमती घड़ी के अलावा डॉलर सहित अन्य देशों की मुद्रा भी निकली हैं. हालांकि, इन आभूषण के मूल्य की गिनती नहीं हो पाई है

कुंभ में पेशवाई क्या होती है? शाही स्नान से क्या है संबंध, .कौन होता है शामिल

बड़े–बड़े तंबू, चिलम सुलगाते नागा साधू, जटाएं लहराते हुए डुबकी लगाते संत, रंगबिरंगे लाइटें, जगह–जगह लाउडस्पीकर और चप्पे–चप्पे पर पुलिस कुछ ऐसा ही नजारा होने वाला है प्रयागराज के संगम घाट पर. वजह यहां आयोजित होने वाला महाकुंभ. जी हां, धर्म और आस्था की नगरी प्रयागराज में इन दिनों महाकुंभ की तैयारियां जोरों पर हैं. 45 दिन तक चलने वाला यह मेला शुरू होने में अब से लगभग 1 माह बचा है.संगम मेले में देश–विदेश से लोग स्नान करने के लिए पहुंचते हैं. इस अद्वितीय धार्मिक उत्सव के दौरान प्रयागराज के संगम समेत प्रमुख घाटों पर स्नान करना सुखद अनुभव भरा हो सकता है. इस दौरान सबसे खास होती है अखाड़े के साधुओं की पेशवाई. अब सवाल है कि आखिर कुंभ में क्या होती है पेशवाई? कौन होता है पेशवाई में शामिल? क्या है साधुओं की पेशवाई का इतिहास? आइए जानते हैं इस बारे में साधु–संतों ने धर्म की रक्षा के लिए उठाए हथियार कुंभ हिंदुओं और दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन माना जाता है. कुंभ अपनी सांस्कृतिक परंपराओं को सहेजने और धर्म को समाज से जोड़े रखने का महापर्व है. कुंभ के वाहक साधु–संतों के प्रति समाज

की आस्था को प्रदर्शित करने का पर्व है. यही साधु संत हैं जिन्होंने न केवल धर्म संस्कृति को तमाम विपरीत परिस्थितियों के बावजूद और मजबूत किया, बल्कि समय–समय पर देश की रक्षा के लिए हथियार भी उठाए.प्रयागराज में महाकुंभ की रौनक शुरू हो गई है और संगम समेत सभी घाट सजने लगे हैं. 13 जनवरी से संगम नगरी देवलोक जैसी नजर आने लगेगी. इस दौरान साधुओं की भव्य पेशवाई देखने योग्य होगी. बता दें कि, कुंभ में अखाड़ों की पेशवाई सबसे खास होती है. यह आयोजन उनकी आस्था और शक्ति का प्रतीक है. पेशवाई यानी राजसी शानो–शौकत के साथ साधु–संतों के कुंभ में प्रवेश करना होता है. साधु–संत शाही रूप में राजा महाराजों की तरह हाथी, घोड़े और रथों से निकाली जाती है और श्रद्धालु उनका मार्ग में स्वागत व सम्मान करते हैं. ये संत अपने–अपने अखाड़ों के ध्वजा लेकर अपनी सेना और परंपराओं के साथ नगर में निकलते हैं. साधु–संतों कि शाही पेशवाईयों को देखने के लिए दुनियाभर से श्रद्धालु कुंभ नगरी में पहुंचते हैं. महाकुंभ की शुरुआत पौष पूर्णिमा स्नान के साथ होती है, जोकि 13 जनवरी 2025 को है. वहीं, महाशिवरात्रि के दिन 26 फरवरी 2024 को अंतिम स्नान के साथ कुंभ पर्व का समापन होगा. इस तरह से महाकुंभ 45 दिन तक चलता है, जिसकी भव्यता देखते ही बनती है.

साल का आखिरी एकादशी व्रत कब रखा जाएगा?

एकादशी का व्रत हिंदू धर्म में विशेष महत्व रखता है. यह दिन पूर्णरूप से जगत के पालनहार भगवान विष्णु को समर्पित होता है. धार्मिक मान्यता है कि एकादशी का व्रत रखकर लक्ष्मी–नारायण की विधिपूर्वक पूजा करने से सभी मनो. कामनाओं की पूर्ति होती है और सुख–समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है. पंचांग के अनुसार, हर महीने में दो बार एकादशी का व्रत रखा जाता है. एक कृ ष्ण पक्ष और दूसरा शुक्ल पक्ष में. दोनों ही एकादशी महत्वपूर्ण मानी गई है. ऐसे में आइए जानते हैं कि साल 2024 की आखिरी एकादशी कब दिसंबर में कब है और इस एकादशी पर भगवान विष्णु की पूजा के लिए शुभ मुहूर्त क्या रहने वाला है.हर माह में पड़ने वाली एकादशी का अपना अलग नाम और महत्व माना गया है. दिसंबर के महीने में आखिरी एकादशी पौष मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि पर रखा जाएगा. पौष माह के कृ ष्ण पक्ष की एकादशी को सफला एकादशी कहा जाता है. चलिए जानते हैं कि पौष माह के कृष्ण पक्ष की सफला एकादशी दिसंबर में कब पड़ रही है.हर साल पौष माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि पर सफला एकादशी का व्रत रखा जाता है. इस साल की आखिरी एकादशी यानी सफला एकादशी 26 दि. संबर 2024 को है. सफला एकादशी का व्रत रखने से व्यक्ति को अपार सफलता की मिलती है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जो भी व्यक्ति सफला एकादशी का व्रत रखता है और विष्णु जी संग मां लक्ष्मी की उपासना करता है, उसका जीवन खुशहाल और समृद्ध बन जाता है. वैदिक पंचांग के अनुसार, पौष माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि की शुरुआत 25 दिसंबर 2024 को रात 10 बजकर 29 मिनट पर होगी. वहीं, इस एकादशी तिथि का समापन 27 दिसंबर को रात 12 बजकर 43 मिनट पर होगा. ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, 26 दि. संबर को सफला एकादशी का व्रत रखा जाएगा.पंचांग की मानें तो, सफला एकादशी व्रत का पारण 27 दिसंबर 2024 को किया जाएगा. सफला एकादशी व्रत के पारण के लिए शुभ समय 27 दिसंबर सुबह 7 बजकर 12 मिनट से लेकर सुबह 7 बजकर 16 मिनट तक रहेगा. वहीं, एकादशी व्रत खोलने के लिए सबसे पहले तुलसी ग्रहण करें उसके बाद ही अन्न का सेवन करना चाहिए।

शुक्रवार को मस्जिदों में क्यों नजर आते हैं सबसे ज्यादा नमाजी

इस्लाम दुनिया में दूसरे नंबर का सबसे बड़ा धर्म है और एक मुसलमान होने की बुनियादी पहचान ही यह है कि वह अल्लाह में यकीन रखता हो. इसलिए नमाज पढ़ना सबसे आवशयक है. मु. सलमान को जिंदगी भर पूरे दिन में पांच तरह की नमाज पढ़नी होती है जिसमें सुबह वाली को फज्र की नमाज ,दोपहर वाली को जुहर की नमाज, सूरज ढलने से पहले वाली को अस्र, सूरज छिपने से बाद वाली को मगरिब की नमाज और सबसे आखरी रात में ईशा की नमाज पढ़ी जाती है.जुमे की नमाज मुसलमानों के लिए अहम क्यों हजुमे की नमाज (रनउउम ाप दंज्ञ) पूरी दुनिया में हर शुक्रवार को होती है और यह बाकि दिनों से अलग है. क्योंकि जुमे का मतलब ही होता है जमा होना जिसका सबसे बड़ा मकसद होता है मु. सलमानों को किसी एक जगह हर सप्ताह शुक्रवार को जमा करना ताकि उन्हें इस्लाम से जुड़ी जानकारियां और दुनिया में घट रहीं अन्य बड़ी घटनाओं के बारे में विचार साझा किए जा सके. पैगंबर मुहम्मद साहब ने तो जुमे के दिन को हर मुसलमान के लिए ईद के दिन के समान बताया है, क्योंकि मान्यता के अनुसार इस दिन वे खुद अच्छे से स्नान करने के बाद नए कपड़े पहनते थे और नमाज पढ़ने के लिए जाते थे. इसलिए हर मुसलमान जुमे की नमाज के लिए खास तैयारी

करता है.जुमे की नमाज पढ़ने के लिए क्या नियम हैमुसलमान की सबसे महत्वपूर्ण किताब हदीस के मुताबिक, हर शुक्रवार को जुमे की नमाज दोपहर 12 बजकर 5 मिनट पर शुरु होती है और यह आम दिनों की तरह घर, दुकान, रेलवे ट्रैक आदि पर बैठकर नहीं पढ़ी जाती है. इसको मस्जिद में जाकर कम से कम दस लोगों के साथ पढ़ी जाती है, जिसे इमाम पढ़ाते हैं. जुमे की नमाज (रनउउम ाप दंज्ञ) से पहले खुतबा (स्पीच) भी दिया जाता है. इसलिए हर मुसलमान को जब भी जुमे की अजान का समय हो सारा काम छोड़कर जितना जल्दी हो सके पास की मस्जिद में जाना होता है और नमाज अदा करनी होती है. जुमे की नमाज सबसे पहले कब पढ़ी गई थीहदीस के मुताबिक, सबसे पहले शुक्रवार यानी जुमे की नमाज पैगंबर मुहम्मद साहब ने मक्का के बाहरी इलाके कुबा में एक जगह पर अपने अनुयायियों के साथ बैठकर जुमे की नमाज अदा की थी.

आवश्यकता है

हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र जननायक सम्राट के लिए जिला व्यूरो चीफमंडल व्यूरो चीफ ब्लाक ,ब्यूरो संवाददाता की आवश्यकता है।

सम्पर्क करें –

अमित कुमार वर्मा -संम्पादक

मौ:-8218049162,8273402499

जननायक सम्राट

हिन्दी साप्ताहिक

मालिक,मुद्रक, प्रकाशक आरती वर्मा द्वारा आशु प्रिंटिंगप्रेस,अचलताल अलीगढ़ से मुद्रितकराकर . कार्यालय सरोज नगर गली नम्बर 5,अलीगढ़ से प्रकाशित

सम्पादक-अमित कुमार वर्मा

सभी विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद अलीगढ़ न्यायलय ही होगा